होम्योपैथी का चमत्कार (miracles of homoeopathy)

हमारे एक परिचित ने एक किस्सा सुनाया। एक सज्जन अपनी पत्नी का इलाज कराने AIIMS गए। वहाँ डाक्टरों ने उन्हें आखिरी स्टेज का कैंसर बताया और कहा कि इसका कोई इलाज नहीं है। वह बेचारे निराश हो कर वहाँ से निकल रहे थे तो उन्हें एक शख्स मिले जो कि रेलवे से रिटायर हो कर शौकिया होम्योपैथी प्रैक्टिस करते थे। उन्होंने कहा, 'भाई साहब! घबराइए नहीं, मैं एक दवा लिख कर दे रहा हूँ। भगवान ने चाहा तो ये ठीक हो जाएँगी।' वह दवा दिल्ली में नहीं मिली, पटना से मंगाई गई। कुल दो रुपये की दवा थी। दवा के सेवन से वह गाँठ जादू की तरह गायब हो गई और वह महिला बिलकुल ठीक हो गईं।

ऐसे ही बहुत से किस्से यूनानी व देसी दवाओं और झाड़ फूँक के विषय में भी सुनाए जाते हैं।

मैं ने किस्सा सुनाने वाले सज्जन से कहा कि मैं उस मरीज़ से सीधे बात कर के मालूम करना चाहता हूँ कि असल बात क्या थी। वे बोले कि उस मरीज़ को जानते वह भी नहीं थे। उन्हें उनके किसी परिचित ने यह किस्सा सुनाया था। उन परिचित को हाथ की हाथ फ़ोन कर के मालूम करने की कोशिश की गई तो मालूम हुआ कि उन्हें भी किसी ने यह किस्सा सुनाया था। इस तरह के किस्से कहाँ से शुरू होते हैं यह बता पाना मुश्किल होता है पर ये फ़ैलते बड़ी तेजी से हैं।

ऐसे अधिकतर किस्सों में जो असलियत होती है वह कुछ इस प्रकार होती है -

किसी महिला को स्तन में गाँठ मालूम हुई। वह उसको दिखाने AIIMS गईं। साथ में तीन भारी भरकम बुद्धिमान किस्म के लोग गए। वहाँ एक बुद्धिमान ने पूछा, 'डॉक्टर साहब! क्या यह कैंसर हो सकता है?'

डॉक्टर ने कहा, 'इस तरह की गांठों में कुछ प्रतिशत कैंसर की होती हैं इसलिए आवश्यक जांचें करा लीजिए।'

दूसरे बुद्धिमान ने पूछा, 'अगर कैंसर होगा तो क्या करेंगे?'

डॉक्टर ने कहा, 'यह उसकी स्टेज पर निर्भर करता है। शुरू की स्टेज में पूरा इलाज है। आखिरी स्टेज में संतोष जनक इलाज नहीं है।'

बाहर निकल कर बुद्धिमान व्यक्तियों की मीटिंग हुई। एक ने कहा, 'ये तो कैंसर बता रहे हैं।' दूसरे ने कहा, 'आखिरी स्टेज है।' तीसरे ने कहा, 'इसका मतलब ऐलोपैथी में इसका कोई इलाज ही नहीं है।

इसके बाद का किस्सा बिलकुल साफ़ है। मरीज़ को कुछ था ही नहीं। जाँच कराई नहीं गई। होम्योपैथी से कैंसर की आखिरी स्टेज का इलाज हो गया। चमत्कार के किस्से बनते गए और फ़ैलते गए।

कुछ ज्ञानियों ने मिल कर आखिरी स्टेज के कैंसर की डायग्नोसिस बनाई। एक ज्ञानी ने उसका इलाज कर दिया। 'एक ने कही दूजे ने जानी। नानक बोले दोनों ज्ञानी।'